RNI-RAJBIL/2009/32418

Volume : 6, Issue : 1, January-June 2014

Samvahini

Half Yearly Newsletter | Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

णाणस्स सारमायारो

www.jvbi.ac.in

जैन विश्वभारती संस्थान की ओर से डॉ. अनिल धर, कुलसचिव, जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित तथा गिरधर ऑफसेट प्रिण्टर्स, लाडनूँ में मुद्रित एवं जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ (राजस्थान) में प्रकाशित ।सम्पादक-नेपाल चन्द गंग

A graded by NAAC

NAAC Re-accredited 'A' Grade Certificate

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the National Assessment and Accreditation Council on the recommendation of the duly appointed Peer Team is pleased to declare the Jain Vishva Bharati Institute (Deemed to be University u/s 3 of the UGC Act, 1956) Ladnun, Dist. Nagaur, Rajasthan as Accredited With CGPA of 3.11 on the four point scale at A grade valid up to July 07, 2018

Date : July 08, 2013

Director

EC/64/RAR/25

Samvahini

वर्ष-6, अंक-1

जनवरी-जून, 2014

जैन विश्वभारती संस्थान

(अर्द्धवार्षिक समाचार पत्र)

संरक्षक

समणी चारित्रप्रज्ञा

कुलपति

सम्पादक

नेपाल चन्द गंग

कम्प्यूटर एण्ड डिजाईन

पवन सैन

कार्यालय

जैन विश्वभारती संस्थान

लाडनूं – 341306

नागौर, राजस्थान

दूरभाष : (01581) 226110 226230

फैक्स : (01581) 227472

E-mail : jvbiladnun@gmail.com

Website : www.jvbi.ac.in

सम्पादकीय

विकास की ओर....

जैन विश्वभारती संस्थाना की स्थापना जहां प्राच्य विद्याओं के अध्ययन- अध्यापन एवं शोध, अहिंसा एवं शांति, मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना आदि महत्वपूर्ण उद्देश्यों के साथ हुई है वहीं इन दिनों संस्थान ने अत्याधुनिक शिक्षण प्रणाली से वोकेशनल एवं अन्य कोर्स भी प्रारम्भ किये हैं। यह संस्थान प्राच्य विद्याओं एवं आधुनिक ज्ञान का एक संगम बन रहा है। यहां से तैयार किये गये विद्यार्थी जहां हमारी संस्कृति एवं मूल्यों के ज्ञान एवं आचार से पूरित होंगे वहीं आधुनिक जगत से कदम से कदम मिलाकर भी चल सकेंगे।

किसी भी विश्वविद्यालय की उच्च गुणवत्ता का प्रमाण NAAC द्वारा दिये गए 'A' Grade एवं मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा दी गई 'A' Category से प्रमाणित हो जाती है। जैन विश्वभारती संस्थान ने अपने विकास के क्रम में इन दोनों माणकों को पिछले वर्ष हासिल किया है। इस वर्ष Higher Education Review Magazne बेंगलोर द्वारा प्राईवेट/मान्य विश्वविद्यालय के 500 विश्वविद्यालयों के लिए किए गए एक सर्वे में 25 श्रेष्ठ विश्व विद्यालय का चयन किया गया है। जिसमें जैन विश्वभारती संस्थान को 17वाँ स्थान दिया गया है। यह इस संस्थान के लिए गौरव की बात है।

हम कह सकते हैं कि जैन विश्वभारती संस्थान आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व के निर्माण की कार्यशाला है। आज की सामयिक आवश्यकताओं के अनुरूप एवं मूल्यों से पूरित विद्यार्थियों को तैयार करने की दिशा में जैन विश्वभारती संस्थान आगे बढ़ रहा है।

– नेपाल चन्द गंग

जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग

अन्तर्राष्ट्रीय योग कार्यशाला

ध्यान योग से भारतीय संस्कृति की अन्तर्राष्ट्रीय पहचान

संस्थान के प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान एवं योग विभाग के तत्वावधान में प्रेक्षाध्यान एवं योग पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 25 से 27 फरवरी तक किया गया। एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, अजमेर के पूर्व कुलपति प्रो. के.के. शर्मा ने कहा कि ध्यान योग से भारतीय संस्कृति की पहचान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर है। यहाँ का आध्यात्मिक वातावरण एवं पवित्र संस्कृति सभी को आकर्षित करती है। भारत विश्व को शान्ति का संदेश देने में सक्षम है।

अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने कहा कि प्रेक्षाध्यान मानसिक शक्ति का अमोध अस्त्र है। विशिष्ट अतिथि जैन विश्वभारती के अध्यक्ष ताराचन्द रामपुरिया ने कहा कि जैन विश्वभारती अहिंसा एवं शांति के क्षेत्र में अपनी व्यापक पहचान रखती है। इटालियन योगा फेडरेशन, इटली की सचिव एन्टोनिमा रोजी ने यहां की संस्कृति एवं संस्कारों को विश्व के लिए अमूल्य धरोहर बताया। कार्यशाला के निदेशक प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने किया। 25 फरवरी की शाम को विभाग के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

27 फरवरी को समापन समारोह योग विशेषज्ञ मुनि श्री किशनलालजी के सान्निध्य में आयोजित किया गया। समापन के अवसर पर एन्टोनिमा रोजी ने भारत की संस्कृति को गौरवशाली बताया। कार्यशाला के निदेशक प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने विश्व में प्रेक्षाध्यान के प्रति बढ़ते झुकाव की चर्चा की।

कार्यशाला के दौरान डॉ. युवराज सिंह एवं आलोक पाण्डेय द्वारा योगा, षटकर्म, प्राणायाम, अनुप्रेक्षा, कायोत्सर्ग का प्रशिक्षण दिया गया। ध्यान और स्वास्थ्य, ध्यान का मनोविज्ञान, जैन दर्शन में ध्यान पर चर्चा हुई। कार्यशाला में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. सुनित वर्मा, प्रेक्षा विशेषज्ञ समणी रोहिणी प्रज्ञा, विभाग के अध्यक्ष प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा सहित अनेक विद्वानों ने प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में अनेक देशों के प्रशिक्षकों सहित 40 से अधिक योग प्रशिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला के विभिन्न कार्यक्रमों के संयोजन में डॉ. विवेक माहेश्वरी, डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने भी अपना योगदान दिया।

जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग एवं संस्कृत प्राकृत विभाग

प्राच्य विद्याओं से संस्कृति का संरक्षण

संस्थान के जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग एवं संस्कृत प्राकृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय सम्पर्क - 2014 सम्मेलन का शुभारम्भ संस्थान के सेमीनार हॉल में 31 मार्च को कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में हुआ। कुलपति ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्राच्य विद्याओं के संरक्षण से संस्कृति को सुरक्षित रखा जा सकता है।

कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने समागत विद्वानों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। प्रो. दामोदर शास्त्री ने 'सम्पर्क - 2014 ' का परिचय देते हुए सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में संभागियों को प्रो. समणी चैतन्य प्रज्ञा एवं डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा ने सम्बोधित किया। समापन डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा की अध्यक्षता में हुआ। समापन के अवसर पर दिल्ली के प्रो. सदर्शन मिश्र ने जैन विद्या एवं संस्कृत प्राकृत के अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं विद्वानों में परस्पर वैचारिक विनिमय एवं सम्पर्क स्थापित करने के प्रयास को महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर प्रो. विश्वनाथ मिश्र, डॉ. अनेकान्त जैन, डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज, प्रो. समणी कुसुमप्रज्ञा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दो दिवसीय सम्मेलन में दिल्ली, कोटा, बांसवाड़ा, सूरतगढ़, जसवन्तगढ़, जयपुर सहित अनेक स्थानों से विद्वानों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान निबन्ध प्रतियोगिता, वाद-विवाद एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सहित अनेक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

AKKM

Farewell 2014

भावी विकास के प्रति सजग रहे महिलाएं - कुलपति

संस्थान के कालू कन्या महाविद्यालय में 12 अप्रैल को मंगलभावना समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उपस्थित छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि छात्राएं अपने भावी विकास के प्रति सजग रहें। छात्राओं को प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन निर्माण के प्रति प्राप्त कौशल को विकसित करने के लिए और अधिक जागरूकता के साथ कार्य करना होगा। प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने रिश्ते, रास्ते तथा रिति रिवाज आदि की मीमांसा करते हुए छात्राओं को जीवन में विकास करने के प्रति संकल्प दिलाया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव डॉ. अनिलधर ने छात्राओं को सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए एवं वरिष्ठ छात्राओं को कनिष्ठ छात्राओं ने भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम की सफलता में निर्मला भास्कर एवं डॉ. सावित्री चौधरी का सराहनीय योगदान रहा।

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय

एन.एस.एस.

सप्त दिवसीय शिविर

संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों के तत्वावधान में सप्त दिवसीय शिविर का आयोजन 18 से 24 जनवरी तक किया गया। सुशीला दानचन्द ऑडिटोरियम में शिविर शुभारम्भ के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्ष संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संभागियों को संबोधित करते हुए समाज सेवा की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि ब्लॉक मेडिकल अधिकारी जसवन्तगढ़ डॉ. वेद मिश्रा एवं कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने भी संभागियों को संबोधित किया। समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने इस सप्त दिवसीय शिविर के उद्देश्य, प्रारूप पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में डॉ. वेद मिश्रा ने एचआईवी/एड्स से जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव एवं उससे सुरक्षा पर विस्तार से समझाया। द्वितीय चरण में वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता और व्याख्यानों का आयोजन किया गया। निर्णायकों में विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग, सहायक आचार्य डॉ. पुष्पा मिश्रा आदि थे। तृतीय चरण में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। रक्तदान कार्यक्रम हेतु नागौर राजकीय चिकित्सालय से ब्लड बैंक की टीम आयी। चौथे चरण में लाडनूं के राजकीय चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा पोलियो की दवा पिलाने से संबंधित जानकारी दी गयी।

19 जनवरी को पोलियो की खुराक बच्चों को दी गयी। 20 एवं 21 जनवरी को स्थानीय भूतोड़िया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में 'महिला एवं स्वास्थ्य' पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। 22 जनवरी को सहायक आचार्य डॉ. विवेक माहेश्वरी ने Transfer Yourself के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। द्वितीय चरण में डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने 'घरेलू हिंसा' पर अपना वक्तव्य दिया। तृतीय चरण में स्लोगन, मेहंदी, गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

23 जनवरी को बालसमन्द में चिकित्सा जागरूकता रैली आयोजित की गयी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉ. संजू भाटी ने स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तीसरे चरण में रस्साकसी, 100 मीटर दोड़, सामान्य ज्ञान एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

24 जनवरी को समापन कार्यक्रम का आयोजन सुशीला दानचन्द घोड़ावत ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी का आभार व्यक्त किया। कुलसचिव डॉ. अनिल धर एवं प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने भी संभागियों को संबोधित किया।

नेशनल यूथ पॉलिसी एवं राजीव गांधी खेल अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना की संस्थान की दोनों इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में 3 मार्च को नेशनल यूथ पॉलिसी एवं राजीव गांधी खेल अभियान योजना के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्ष आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा एवं प्रमुख वक्ता कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने संभागियों को सम्बोधित किया। अभियान के अन्तर्गत स्वयंसेविकाओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गयी जिसे कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का संयोजन शबिना निवारिया एवं आभार ज्ञापन सहायक आचार्य मधुकर दाधीच ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

संस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, प्रसार निदेशालय एवं समाज कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में किया गया। समारोह की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने की। मुख्य अतिथि रोडू ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती रेणु कंवर थी। विशिष्ट अतिथि छपारा ग्राम की सरपंच श्रीमती ललिता एवं अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सचिव श्रीमती सुमन नाहटा थी। कार्यक्रम में संस्थान के प्राध्यापकों ने भी अपने विचार रखे। अतिथियों का स्वागत डॉ. बिजेन्द्र प्रधान एवं आभार ज्ञापन प्रगति भटनागर ने किया। कार्यक्रम का संयोजन आकांक्षा पुरोहित ने किया। महिला दिवस की पूर्व संध्या पर संस्थान के शिक्षा विभाग में महिला सशक्तिकरण विषयक संगोष्ठि आयोजित की गयी।

एक दिवसीय कार्यशाला

1 मार्च को संस्थान के जन सम्पर्क अभियान एवं कॅरियर मार्ग दर्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत नागौर जिला अध्यापिका मंच, सर्व शिक्षा अभियान की अध्यापिकाओं की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने शिक्षकों को संस्थान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षक समाज की अमूल्य धरोहर है जिस पर देश का भावी भविष्य निर्भर करता है। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने कहा कि महिला शिक्षा के प्रति जैन विश्वभारती संस्थान समर्पित है। सर्व शिक्षा अभियान नागौर के जिला समन्वयक बस्तीराम ने जैन विश्व भारती संस्थान को नागौर जिले के शिक्षा जगत का तीर्थ बताते हुए संस्थान से अधिक से अधिक लोगों को जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. बनवारीलाल जैन, दूरस्थ शिक्षा के निदेशक डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने संस्थान से जुड़ी जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजन जन सम्पर्क समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया। कार्यक्रम में नागौर जिले के 70 स्कूलों की प्रधानाध्यापिकाओं ने भाग लिया।

मंगलकामना समारोह

12 अप्रैल को आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं का मंगलकामना समारोह का आयोजन किया गया। छात्राओं को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि छात्राएं अपने भावी विकास के प्रति सजग बनें। छात्राओं को कुलसचिव एवं प्राचार्य ने भी संबोधित किया।

व्यक्तित्व विकास एवं योग विषय पर व्याख्यान

11 जनवरी को संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में व्यक्तित्व विकास एवं योग विषय पर मुनिश्री किशनलालजी का व्याख्यान आयोजित किया गया। समण सिद्धप्रज्ञ ने स्वस्थ जीवन हेतु योग एवं ध्यान के प्रयोग करवाए।

शैक्षणिक भ्रमण दल

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं का एक दल 2 मार्च को शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुआ। इस दल ने उज्जैन, इंदौर, अजन्ता एवं शिरडी साई बाबा मंदिर सहित अनेक ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर 6 मार्च को वापस लाडनूं पहुंचा।

सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित

AKKM

संस्थान में 5 से 7 जनवरी तक विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। इनमें एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, मंच संचालन, सामान्य ज्ञान, आशुभाषण, रंगोली, हस्तकला, नाटक, गायन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नामों की घोषणा की गयी। 7 जनवरी को समापन पर संस्थान के संकाय सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। सांस्कृतिक समिति के सदस्य डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज, डॉ. आभासिंह, डॉ. तृप्ति जैन, अदिति गौतम का सहयोग सराहनीय रहा।

ट्रेकिंग कैम्प में सहभागिता

संस्थान के कालू कन्या महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने 15 जून से 24 जून तक पपरोला में आयोजित एनसीसी के ट्रेकिंग कैम्प में भाग लिया। शिविर में 18 जून को बैजनाथजी के मन्दिर के लिए 6 कि.मी. का आरोहण कैडेट द्वारा किया गया। 19 जून को चामुण्डा देवी माता के दर्शन के लिए 10 कि.मी. का आरोहण किया गया। 20 जून को 9 कि.मी. का आरोहण किया गया। बीड़ में टेन्ट पींचिग प्रतियोगिता तथा खो-खो का मैच खेला गया। 22 जून को पेराग्लाईडिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की कैडेट कंचन कंवर तथा कीर्ति ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। एनसीसी प्रभारी डॉ. सावित्री ने टीम का नेतृत्व किया।

हिन्दी भाषा विज्ञान पर व्याख्यान

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के अन्तर्गत हिन्दी भाषा विज्ञान विषय पर संस्थान के विशेषाधिकारी नेपाल चन्द गंग ने हिन्दी की समृद्धता एवं शुद्धता को रेखांकित किया। गंग ने हिन्दी के उद्भव एवं विकास को बताते हुए विभिन्न साहित्यकारों का उल्लेख किया। कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग सेल के समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित थे।

कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल

अंग्रेजी कम्युनिकेशन प्रशिक्षण

संस्थान के कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में अंग्रेजी कम्युनिकेशन का एक माह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अंग्रेजी कम्यूनिकेशन के विविध चरणों के साथ अंग्रेजी बोलने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक अबरार अहमद ने अंग्रेजी कम्युनिकेशन की बारीकियों के साथ प्रशिक्षण दिया। समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच के अनुसार संस्थान के लगभग 50 विद्यार्थियों ने भी इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

प्रशिक्षण आधुनिक युग की आवश्यकता

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में 21 मार्च को सुशीला दानचन्द घोड़ावत ऑडिटोरियम में वोकेशनल ट्रेनिंग कोर्सेज का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। एटीडीसी के ज्वाइंट रजिस्ट्रार श्री प्रमोद यादव ने बताया कि आधुनिक युग में प्रशिक्षण आवश्यक है ताकि व्यक्ति आत्मनिर्भर बन सके। इस अवसर पर डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा एवं डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास जरूरी

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के अन्तर्गत 31 मार्च को आयोजित कार्यक्रम में प्रो. के.एन. व्यास ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी शिक्षा प्राप्ति के साथ-साथ अपने जीवन में मूल्यों का भी विकास करें। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा एवं डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

प्रतियोगिता के युग में एनजीओ महत्वपूर्ण

संस्थान के समाज कार्य विभाग एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में 15 फरवरी को विशेष व्याख्यान देते हुए जितेन्द्र वर्मा ने बताया किया कि वर्तमान युग प्रतियोगिता का युग है। इसमें एनजीओ फील्ड के अन्तर्गत कार्य करने की बहुत अधिक संभावना रहती है। विभागाध्यक्ष डॉ. बिजेन्द्र प्रधान एवं डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कॅरियर डे मनाया

संस्थान के सेमीनार हॉल में कॅरियर डे अहिंसा एवं शान्ति विभाग एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में समारोह पूर्वक मनाया गया। अहिंसा एवं शान्ति विभाग के अध्यक्ष प्रो. बच्छराज दूगड़ ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द युवाओं के प्रेरणास्रोत रहे हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को विश्व स्तर पर पहुंचाया। समारोह को प्रो. जे.पी. एन. सिंह मिश्रा, कुलसचिव डॉ. अनिल धर, डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा, प्रताप बेहरा, कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग के समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने भी सम्बोधित किया।

गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

संस्थान में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों एवं संस्थान परिवार को सम्बोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि संविधान राष्ट्र की प्रतिष्ठा का प्रतीक होता। हमें संविधान के नियमों एवं सिद्धान्तों की पालना करनी चाहिए। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग, शिक्षा विभाग, जीवन विज्ञान विभाग, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग

कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के अन्तर्गत

ग्रीष्मकालीन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

संस्थान के कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में मई-जून माह में ग्रीष्मकालीन विभिन्न पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इन पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत कुकिंग, ज्योतिषि, हेयर एण्ड स्कीन केयर, योगा, डांस, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, स्पोकन इंग्लिश, मार्शल आर्ट, सॉफ्ट स्किल आदि अनेक पाठ्यक्रम आयोजित किये गए। इन कार्यक्रमों में लाडनूं अंचल के लगभग 600 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कुकिंग एवं हेयर एण्ड स्किन केयर में श्रीमती कमलेश जगवानी, ज्योतिष में डॉ. अंजना जोशी, योगा में डॉ. युवराज सिंह खंगारोत, डांस में सुश्री टीना वर्मा एवं तांबी दाधीच, कम्प्यूटर प्रशिक्षण में पूजा जैन, स्पोकन इंग्लिश में अबरार अहमद, मार्शल आर्ट में महेश ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण के अन्तर्गत विषय की विस्तृत जानकारी देते हुए इनकी बारीकियों से अवगत करवाया।

5 जून को एसडी घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि समर प्रोग्राम के अन्तर्गत आयोजित कोर्सेज में छात्र-छात्राओं ने गहरी रूचि के साथ भाग लिया है। ये प्रशिक्षण जीवन को नई दिशा देने में सक्षम है। समारोह के मुख्य अतिथि टांटिया विश्वविद्यालय श्री गंगानगर के कुलपति प्रो. गंगाराम जाखड ने कहा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण से जीवन में गुणवत्ता का विकास होता है। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने अतिथियों का स्वागत किया। संस्थान के मुख्य सलाहकार शांतिलाल गोलछा, सहायक कुलसचिव श्री दीपाराम खोजा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा, डॉ. जुगल किशोर दाधीच, सुश्री टीना वर्मा, पूजा जैन, भारती सैन, पिंकी सैनी, निकिता, अबरार अहमद आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. युवराज सिंह ने किया।

महिला दिवस का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा 7 मार्च को महिला दिवस पर एक गोष्ठि का आयोजन किया गया। गोष्ठि में बी.एड. एवं एम.एड. की छात्राध्यापिकाओं ने भाग लेकर महिला की वर्तमान स्थिति एवं महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे। छात्राध्यापिकाओं को विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एल. जैन, डॉ. गिरीराज भोजक, डॉ. अमिता जैन ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

शैक्षिक भ्रमण

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण 17 फरवरी को आयोजित किया गया। विभाग की लगभग 200 छात्राओं के दल ने डूंगरबालाजी एवं पाबोलाव धाम का भ्रमण किया। पाबोलाव धाम में महन्त स्वामी कमलेश्वर भारती के सान्निध्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

युवा दिवस मनाया

13 जनवरी को संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द जयन्ति का आयोजन युवा सप्ताह के अन्तर्गत किया गया। मुख्य अतिथि धीरज चारण ने कहा कि युवाओं को स्वामीजी के आदर्शों को अपनाते हुए संस्कृति संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. बी.एल. जैन, पवन कंवर, हेमलता आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मकर सक्रान्ति एवं लोहड़ी पर्व भी मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता जैन ने किया।

प्रसार भाषण माला

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 25 जनवरी को प्रसार भाषण माला का आयोजन किया गया। भाषण माला के मुख्य वक्ता इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रो. एम.सी. शर्मा ने अपने वक्तव्य में तकनीकी एडवांसमेन्ट, शिक्षण विधियां एवं मूल्यांकन एवं क्रियात्मक अनुसंधान को जरूरी बताया। उन्होंने कोपरेटिव लर्निंग, ग्रुप लर्निंग, ब्रेन स्टॉमिंग, जीरो लेक्चर मैथड आदि के बारे में विस्तार से बताते हुए शिक्षा में नई तकनीक को शामिल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन गिरधारी लाल शर्मा ने किया।

31 जनवरी को प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत प्रेक्षाध्यान जीवन विज्ञान विशेषज्ञ मुनि श्री किशनलालजी ने 'महिला स्वास्थ्य एवं योग' विषय पर वक्तव्य एवं प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में मुनि श्री सौम्य कुमार, हनुमानमल शर्मा, डॉ. बी.एल. जैन ने भी अपने विचार रखे।

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 12 मार्च को आयोजित प्रसार व्याख्यान माला के वक्ता डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने आचार्य तुलसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ के अवदानों पर वक्तव्य दिया। संभागियों को डॉ. बी.एल. जैन एवं डॉ. अमिता जैन ने भी संबोधित किया।

13 मार्च को शिक्षा विभाग में जीवन विज्ञान प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के अध्यक्ष डॉ. जे.पी.एन. मिश्रा का 'संतुलित जीवन शैली और जीवन विज्ञान' पर व्याख्यान आयोजित किया गया। संभागियों को डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. बनवारीलाल जैन ने भी संबोधित किया।

तकनीकी कौशल विकास कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा 21 से 24 जनवरी तक तकनीकी कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्राध्यापिकाओं ने ओवर हेड प्रोजेक्टर, मोबाईल, टी.वी., डी.वी.डी., एलसीडी प्रोजेक्टर आदि के शिक्षण अधिगम में प्रयोग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला के प्रशिक्षण कार्य में संकाय सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

शैक्षणिक भ्रमण/ऑपर एयर सैशन

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में बी.एड. की छात्राध्यापिकाओं के एक दल ने 25 मार्च से 30 मार्च तक अहमदाबाद, उदयपुर, अजमेर, राजसमंद का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने इन स्थानों के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का अवलोकन किया। छात्राओं ने वहां के ग्रामीण लोगों से भी सम्पर्क कर ओपन एयर सेशन आयोजित किया।

ब्लॉक टीचिंग कार्यक्रम कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में स्थानीय विभिन्न विद्यालयों मे आयोजित ब्लॉक टीचिंग कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। ब्लॉक टीचिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड. की छात्राओं द्वारा राजकीय जौहरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, सूरजमल भूतोड़िया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, केशर देवी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भूतोड़िया उच्च प्राथमिक विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुए।

बसंत पंचमी का कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में बसंत पंचमी का कार्यक्रम उल्लासपूर्वक मनाया गया। ब्लॉक टीचिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड. की छात्राओं द्वारा राजकीय जौहरी उ.मा.वि., सूरजमल भूतोड़िया बालिका उ.मा.वि., केशर देवी उ.मा.वि., भूतोड़िया उ.प्रा.वि., कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय आदि विद्यालयों में बसंत पंचमी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

3 मार्च को संस्थान के शिक्षा विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अभिभावक बाबूलाल चौहान, भंवरलाल सैनी, बलदेव जाट आदि ने संस्थान की गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए यहाँ के अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बताया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एल. जैन, डॉ. विष्णु कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

प्रसार व्याख्यान माला

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत 11 अप्रैल को प्राथमिक शिक्षा की स्थिति पर असर संस्थान के प्रबन्ध निदेशक अनन्त व्यास ने विशेष व्याख्यान दिया।

संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान माला के अन्तर्गत 27 जून को प्रो. गोपीनाथ शर्मा, संजय टी.टी. कॉलेज, जयपुर, प्रो. आर.एन. यादव अलवर, प्रो. एम.सी. शर्मा दिल्ली का व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो. गोपीनाथ शर्मा ने संस्कृति, संस्कार एवं शिक्षा पर, प्रो. यादव ने स्त्री शिक्षा पर, प्रो. एम.सी. शर्मा ने मूल्यांकन प्रणाली पर अपने-अपने व्याख्यान दिए।

24वाँ स्थापना दिवस समारोह

भारत की महिला विश्व के लिए आदर्श - डॉ. जयन्ती रवि

संस्थान का 24वाँ स्थापना दिवस समारोह सुधर्मा सभा में मुनि श्री मोहनलालजी शार्दुल के सान्निध्य में 20 मार्च को आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गुजरात उच्च शिक्षा आयुक्त डॉ. जयन्ती रवि ने कहा कि संस्कारों की शिक्षा महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षा के साथ संवेदना, करूणा एवं जीवन मूल्य को जरूरी बताया। उन्होंने भारत की महिलाओं को विश्व के लिए आदर्श बताते हुए जैन विश्वभारती संस्थान में महिलाओं की शिक्षा के प्रति किए जा रहे कार्यों को अनूठा एवं अनुकरणीय बताया। विशिष्ट अतिथि जी.एल.ए. विश्वविद्यालय मथुरा के कुलपति प्रो. दुर्ग सिंह चौहान ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ व्यक्ति का व्यवहार ही ज्ञान का परिचायक है। विशिष्ट अतिथि हेमचन्द्राचार्य नार्थ गुजरात विश्वविद्यालय पाटन के कुलपति प्रो. आर.एल. गोदारा ने कहा कि व्यक्ति गलतियों से बचकर स्वयं के जीवन को परिष्कृत कर सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को प्रस्तुत करते हुए टाईम, मनी एवं एनर्जी के महत्व को रेखांकित किया। संस्थान के अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के संदेश का वाचन डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने किया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा वरिष्ठ विद्या निधि सम्मान प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा एवं कनिष्ठ विद्या निधि सम्मान डॉ. जुगल किशोर दाधीच, आदर्श कर्मचारी सम्मान अजय पारीक एवं आकाश, आदर्श छात्र सम्मान सबिना निवारिया, विकास यादव, प्रज्ञा दूगड़ एवं रजनी पाटनी को दिया गया। इस अवसर पर संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में जैन विश्वभारती के अध्यक्ष श्री ताराचन्द रामपुरिया, कुलपति श्री बच्छराज नाहटा ने भी अपने विचार रखे। संस्थान के कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने संस्थान का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. बी.आर. दूगड़, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, डॉ. अनिल धर, प्रो. रेखा तिवारी, प्रो. दामोदर शास्त्री, डॉ. बी.एल. जैन, राकेश जैन ने अतिथियों को शॉल एवं मोमेन्टो भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी एवं आभार ज्ञापन डॉ. बी.एल. जैन ने किया।

भव्य सांस्कृतिक एवं योग कार्यक्रम

स्थापना दिवस के दूसरे चरण में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। सहायक आचार्य डॉ. युवराज सिंह खंगारोत एवं आलोक पाण्डेय के निर्देशन में विद्यार्थियों ने योग का शानदार प्रदर्शन किया।

Vice-Chancellors' Incessant Steps

West Zone, Vice Chancellors' Meeting

On 22-23 January, 2014, a two-day West Zone Vice-chancellors' Meeting was organized at Kadi Vishvavidhyalaya, Gandhinagar in which nearly 50 Vice-chancellors were present. Six sessions were held on different issues related to development in Higher Education. R.B. Lal, President AIU; Jayanti Ravi, Education Commissioner, Gujarat; Prof. Narendra Bhandari, Physical Research Laboratory, Ahmedabad; and many other Professors of various universities presented their views in respect to the development in higher education.

VC's Participation in National Conference of AIU

Samani Charitra Prajna, Vice-chancellor, JVBI, participated in 8th National Conference of AIU (Association of Indian Universities) organised at KIIT in Bhuvaneshvar on 25- 27 Feb 2014. This Conference was inaugurated by Dr. S. C. Jamir, His Excellency the Governor of Odisha in the august presence of Prof. H. Devraj, Vice Chairman, UGC, Prof. Rajendra B. Lal, President, AIU, Prof. D. S. Chauhan, Secretary General, Dr. A. Samanta, Founder of KIIT and KISS. More than 500 Vice Chancellors from various universities of the country as well as senior functionaries of apex bodies like University Grants Commission (UGC), All India Council for Technical Education (AICTE), National Council for Teacher Education (NCTE) and Ministry of Human Resource Development attended the 88th Annual General Meeting of the AIU.

During her stay at Bhuvaneshvar, VC Samani Charitra Prajna had meeting with, D. Chauhan, Secretary of AIU and Prof. Jayanti Ravi – Higher commissioner of Technical education, Gujarat. They discussed on the various issues regarding the development of universities. Samani Charitra Prajna invited both them for enlightening the students, on the occasion of Foundation Day of JVBI. The proposal of VC was respectfully accepted by them and they honoured the programme of Foundation day of JVBI on March 20.

Vice-chancellor also met with Prof. Godhara, VC of North Gujarat University, A.D. Bajpayi – VC of Himachal University, Santosh Panda – Chairman of Teacher Education, regarding the issues taken care of by each and every university for providing better education to students and having good results of teaching them. VC found that participation in such events organised at national level is a good platform for sharing the experience and enriching the knowledge as well as making other aware about the JVBI and its functions.

Ghent University, Belgium

On 9th May, 2014, VC, Samani Charitra Prajna and Dr. Samani Aagam Prajna visited Ghent University. Prof. Eva introduced Samani to other faculty members of Indology department. Samani Charitra Prajna gave a guest lecture on the "Challenges for Jaina Nuns in the Modern World" followed by Q-A session. Student were happy to fine satisfactory solution of their queries.

Freie University, Berlin, Germany

At the request of Prof. Petrick on 7th May 2014, Samani Charitra Prajna delivered lecture on "Life-style of Jaina Nun" in 21st century at Jain Study Centre of Free University, Berlin. The lecture was followed by illuminating discussion.

8th ICPNA

8th International Conference on Peace and Nonviolence Action - organized by

Anuvrat Global Organization (Anuvibha)

5-8 January, 2014, Jaipur

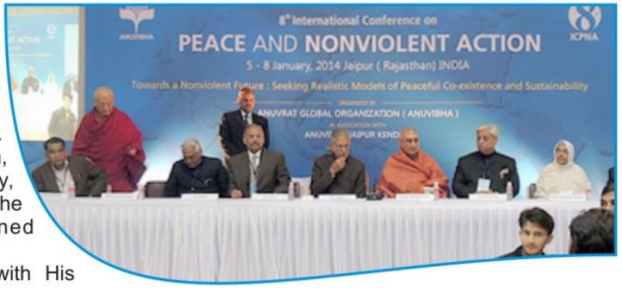

Vice-Chancellor Samani Charitra Pragya accompanied with eight Samanis and Registrar, Dr. Anil Dhar participated in this International Conference at Jaipur. It was a conference of grand success with 200 participants came from 18 countries. Renowned professors from UK, Japan, South Korea, Sri Lanka, USA, Italy, Bangladesh, Netherlands, Tibet etc. were the speakers along with Indian renowned academicians.

The conference was inaugurated with His Excellency B.L. Joshi (Governer U.P.), Keynote Speaker, V.C. JVBI Samani Charitra Prajna, Swami Avadeshvaran and Editor Rajasthan Patrika Dr. Gulab Kothari along with the conference commitee members Mr. T.K. Jain and others. V.C. Samani Charitra Prajna very lucidly addressed the gathering on the theme of the conference focusing on the notion of equality, justice and human rights along with individual method of transformation. Dr. Dhar chairing one of the plenary session addressed on the issue of ego annihilation and bond of equality. Dr. Samani Satya Pragya and Dr. Samani Rohini Pragya, faculty of Nonviolence and Peace Department delivered their thoughts on philosophical doctrine of Anuvrat and its pragmatism. Dr. Samani Agam Pragya spoke on the aspect of Anekanta as on analogus hermeneutics : An approch to peace and nonviolent dialogue. Samani Amal Pragya presented her views on Forgiveness. Prof. Dayanand Bhargav's views on non- possession and austerity as supportive of non-violence and peace were of high significance. Prof. Vinay Jain was leading the entire force of forgiveness in a more holistic frame making the concept highly relevant.

Doboom Tulku (TIBET) represented Buddhist concepts as Non-violent Action Stratigies. Dr. Gulab Kothari's view on transformation as on urgent need were thought provoking. All the presentation of the panelists and presenters in workshop were basically centralized to the theme of conference. Action Plans and Models conceived were highly insightful. Presentation on Environment and Eco-sustainability aspects presented by Mr. Michael (UK) were highly influential.

Eliza Interfaith Dialogue, Munich, Germany

Eliza Interfaith Dialogue, organized in Munich by Eliza Interfaith Institute, Israel on the theme MEMORY AND HOPE from 5th to 8th of May, 2014 was participated by Vice chancellor, Samani Charitra Pranja and Dr. Samani Aagam Prajna. There were many intra-faith, round-table dialogue on different subjects like Memory and Identity, Memory and Rituals, Memory and Power, etc. About 50 religious leaders were present there. It was the first time, when Jain leaders participated in such programme too. Samaniji represented different principles of Jain religion. The dialogue was ended with deep and good discussion. In Munich, Vice-chancellor has a meet with the Prof. Robert Zydenbos (Vidhyasagar), a Prof. of Indology dept. in Munich University.

Meeting Regarding Bhagwan Mahavir International Centre for Scientific Research and Social Innovative Studies – Chaired by VC

On 8th June 2014, a meeting regarding Bhagwan Mahavir International Center for Scientific Research and Social Innovative Studies was held at Terapanth Bhawan, Udaipur. The meeting was chaired by Samani Charitra Prajna, Vice Chancellor, JVBI and attended by Samani Chaitanya Prajna, Dr. N.L. Kachhara, Dr. Narendra Bhandari, Dr. Pratap Sanchetee, Dr. Anupam Jain, Dr. P.C. Jain, Prof T.M. Dak, Dr. P.M. Agrawal and Samani Rohit Pragya.

The Vice Chancellor welcomed the members, introduced the purpose of the Centre and the role of the Advisory Board. She said that work on the Chair of Science and Mathematics in Jainism must be pursued with all vigour and plans prepared for its effective implementation. In the meeting, progress on Compendium on Science and Mathematics in Jainism was reviewed and some important decisions regarding changes in the title of articles, removing the names of some authors, adding some new authors, review of articles etc. were taken. Discussion regarding the publication of compendium and dates to hold the workshop was also took place. Dr Pratap Sanchetee presented his proposal for experimental work. Dr. P.C. Jain was requested to prepare a proposal on Ethics, Environment and Social Sciences. Meeting was concluded with the motivational words by VC to all participants.

Visit to Geneva and Antwerp

Vice Chancellor Samani Charitra Prajna and Samani Aagam Prajna were welcomed and introduced by Basantraj Bhandari, Chancellor, JVBI on 8thMay, 2014 at Geneva. Vice Chancellor had a meeting with Chancellor of the issue of Planning new programmes for the development of JVBI, From Geneva Samaniji went to Antwerp, Belgium. There Samani Charitra Prajna delivered lectures on various topics and had discussion on academic cum spiritual life style with fellow members and youth in the new temple of Jain Cultural centre Antwerp.

NSS Programme - Gangashahar

Ministry of Youth Affairs and Sports NSS Regional Centre, Jaipur, organized meeting in collaboration with International Research Institute of Relative Economics and Anuvrat Samiti on Implementation of NSS Programme and Other related Issues in the State of Rajasthan in Gangashahar on 8th February 2014. Madhubala, regional coordinator welcomed all the honorable guests. The inaugural program was presided by Prof. Chandrakala Padiya, VC of Gangasingh Vishvavidhyalaya, Bikaner. Samani Charitra Prajna and SL Mina were invited as Chief Guest. Avinash Kumar Bhatanagar, Vidhya Bharati Sansthan; Veda Sharma, Principal of Nehru Sharadapeeth, Bikaner and Nathuram Coordinator of NSS were invited as guest of honour. Nearly 20 regional coordinators joined the program. Samani Charitra Prajna highlighted NSS should work on the issues like environment, social-health, cleanliness, women empowerment, etc.

स्वास्थ्य जागरुकता शिविर

जैन विश्वभारती संस्थान एवं भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में कॅरियर काउन्सलिंग सेल के द्वारा दो दिवसीय स्वास्थ्य जागरूकता शिविर 11 एवं 12 फरवरी 2014 को आयोजित किया गया। एसडी घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित शिविर के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही सुखी इंसान हो सकता है। जरूरत है व्यक्ति शारीरिक एवं भावनात्मक रूप से स्वस्थ बने। इस अवसर पर कैंसर विशेषज्ञ एवं चिकित्सा शिविर के संयोजक डॉ. सी.एस. शर्मा ने कैंसर के विविध रूपों की जानकारी दी। ई.एन.टी. विशेषष डॉ. प्रकाश गोलेच्छा एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सरोज आचार्य ने भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

संस्थान द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जुगलकिशोर दाधीच एवं आभार ज्ञापन समणी डॉ. मल्लीप्रज्ञा ने किया। शिविर में विभिन्न रोगों की जांच कर रोगियों को उचित चिकित्सा एवं सलाह दी गयी।

आर्यिका सृष्टिभूषण ने किया संस्थान का अवलोकन

श्री दिगम्बर जैन समाज की संघ प्रवाहिका आर्यिका सृष्टिभूषण माता जी ने 2 जनवरी को जैन विश्वभारती संस्थान का अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान के विभिन्न विभागों का अवलोकन कर यहाँ से संचालित विविध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों को उपयोगी एवं यहां के शान्त वातावरण को शिक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा के साथ धर्म एवं अध्यात्म से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। संस्थान की विस्तृत जानकारी देते हुए कुलपति ने बताया कि देशभर में फैले सैंकड़ों अपरिग्रही संत समाज को संस्थान द्वारा निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करवायी जाती है।

राष्ट्रीय प्राकृत सेमिनार में सहभागिता

27 से 29 मार्च तक मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में 'Human Values in the Jain Sanskrit & Prakrit Works' विषय पर त्रिदिवसीय संगोष्ठि आयोजित हुई, जिसमें संस्थान के डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा, डॉ. हिमप्रज्ञा, डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज, डॉ. वन्दना मेहता ने अपने-अपने पत्रों का वाचन किया। डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा ने ''उत्तराध्ययन सूत्र में माननीय मूल्य : एक विमर्श' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये एवं अपने प्रोजेक्ट 'अशोक के अभिलेख में निहित सांस्कृतिक तत्व : एक अनुशीलन' के संदर्भ में विद्वानों से चर्चा की।

महादेवलाल सरावगी अनेकान्त शोध पीठ

7वीं आचार्य तुलसी श्रुत संवर्धिनी व्याख्यान माला

24 जनवरी को संस्थान के महादेव लाल सरावती अनेकान्त शोधपीठ के तत्वावधान में 7वीं आचार्य तुलसी श्रुत संवर्धिनी व्याख्यान माला आयोजित की गयी। व्याख्यान माला में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक प्रो. ओ.पी. पाण्डेय ने सृष्टि विज्ञान (साइंस ऑफ द युनिवर्स) विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि सृष्टि अनुभूति का विषय है। सृष्टि के विभिन्न तथ्यों को पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए पृथ्वी एवं विभिन्न ग्रहों की कार्य प्रणाली को समझाया। सृष्टि विज्ञान को रेखांकित करते हुए प्रो. पाण्डेय ने कहा कि दर्शन निरीक्षण करता है, विज्ञान परीक्षण करता है। उन्होंने नासा एवं इसके द्वारा किए जा रहे विभिन्न शोध प्रणाली की चर्चा करते हुए वैज्ञानिक शोधों के बारे में बताया। शोध पीठ के उपनिदेशक डॉ. अनिल धर ने विषय प्रवर्तन करते हुए स्वागत वक्तव्य दिया। प्रो. बच्छराज दूगड़ द्वारा शॉल एवं साहित्य भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने किया।

स्वामी विवेकानन्द पर व्याख्यान

19 अप्रैल को संस्थान के महादेवलाल सरावगी अनेकान्त शोध पीठ के तत्वावधान में स्व. पूनमचन्द भूतोड़िया की स्मृति में स्वामी विवेकानन्द का मानव निर्माण की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता पंजाब विश्वविद्यालय की प्रो. नन्दिता सिंह ने स्वामी विवेकानन्द की शिक्षा दृष्टि को प्रस्तुत करते कहा कि जिस शिक्षा से जीवन निर्माण हो सके, मनुष्य सही मायने में मनुष्य बन सके, चरित्र एवं विचारों में सामंजस्य हो वही सही शिक्षा है। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने स्वामी विवेकानन्द के विचारों को प्रस्तुत करते हुए उनके विचारों के माध्यम से चरित्र निर्माण का संदेश दिया। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने किया एवं डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. रेखा तिवारी एवं डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने अतिथियों को शॉल, मोमेन्टो एवं साहित्य भेंटकर सम्मानित किया।

तृतीय आचार्य महाप्रज्ञ श्रुत संवर्धिनी व्याख्यानमाला

संस्थान के महादेवलाल सरावगी अनेकान्त शोधपीठ के तत्वावधान में आचार्य महाप्रज्ञ श्रुत संवर्धिनी तृतीय व्याख्यान माला का आयोजन 10 फरवरी को संस्थान के एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। व्याख्यान माला में ख्याति प्राप्त चिन्तक नई दिल्ली के हारमोनी इन्स्टीटयूट के डॉ. एम.डी. थॉमस ने आस्था से सामाजिक समन्वय की ओर विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि मूल्यों के प्रति समर्पित होना ही आस्था का निर्माण है।

डॉ. थॉमस ने नैतिक, मानवीय एवं आध्यात्मिक मूल्यों को संस्कृति के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि इंसानियत के निर्माण के लिए मूल्यों के प्रति आस्था बहुत जरूरी है। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि मानवीय मूल्यों के प्रति जैन विश्वभारती संस्थान समर्पित है। यहाँ मूल्यों की शिक्षा के साथ जीवन निर्माण का कौशल भी विद्यार्थी को उपलब्ध कराया जाता है। शोध पीठ के उप निदेशक कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने सभी का स्वागत किया। प्रो. जे.पी. एन. मिश्रा ने डॉ. थॉमस को शॉल एवं साहित्य भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने एवं आभार ज्ञापन डॉ. बी.एल. जैन ने किया।

अहिंसा एवं
शांति विभाग

अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर 20 फरवरी को एस डी घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही अहिंसा का प्रयोग जीवन को परिवर्तित करने में सक्षम है। विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धर ने अहिंसा प्रशिक्षण को वर्तमान के लिए जरूरी बताया। इस अवसर पर प्रायोगिक प्रशिक्षण आलोक पाण्डेय ने दिया। डॉ. समणी सत्यप्रज्ञा ने 'अहिंसा प्रशिक्षण क्यों जरूरी' पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी शिक्षाप्रद लघु फीचर फिल्म भी दिखायी गयी। शिविर में स्थानीय सुभाष बोस उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं सैनिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने किया।

अहिंसा एवं शान्ति विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

4 से 8 जनवरी तक अणुव्रत ग्लोबल ऑरगनाइजेशन जयपुर के तत्वावधान में अणुविभा भवन जयपुर में अहिंसा एवं शान्ति पर 8 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेस आयोजित किया गया। जिसमें यूएसए, इटली, जर्मनी, अफ्रिका, जापान, यूके, स्वीटजरलेण्ड, नीदरलेण्ड, युगान्डा आदि देशों के विद्वानों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेस में योग, अध्यात्म, अहिंसा एवं शान्ति विषय पर व्यापक चर्चा हुई। जैन विश्वभारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कॉन्फ्रेस में अहिंसा एवं विश्वशान्ति पर विस्तृत वक्तव्य दिया।

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 12 मार्च को संस्थान के एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में हुआ। संभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि अहिंसा प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं में रचनात्मक सोच का निर्माण किया जा सकता है। शिविर में स्थानीय संस्कार उच्च माध्यमिक विद्यालय के 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रमका संयोजन विकास शर्मा एवं आभार ज्ञापन डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने किया।

अभिभूत हुए प्रो. माईकल बेन एली (यू.एस.ए.)

9 जनवरी को न्यूयार्क (अमेरिका) से आए विद्वान प्रो. माईकल बेन एली अपने अल्पप्रवास के दौरान संस्थान के विभिन्न आयामों, गतिविधियों एवं परिसर को देखकर अभिभूत हो गए। न्यूयार्क के सस्टेनिबिलिटी संस्थान से जुड़े प्रो. माईकल ने जैन विश्व भारती संस्थान को एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान बताते हुए यहां के पाठ्यक्रमों को उत्कृष्ट बताया।

भरतपुर रोजगार मेला में संस्थान की जानकारी

24 फरवरी को भरतपुर में किला स्थित परिसर में आयोजित रोजगार मेला में विस्तार निदेशालय के कार्यकर्ता लक्ष्मण कुमार माली ने संस्थान के पाठ्यक्रमों एवं संस्थान की प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क, जॉब प्लेसमेंट की जानकारी दी। संस्थान से सम्बन्धित परिचय सामग्री भी वितरित की गयी। मेला में पांच विश्वविद्यालयों एवं 40 कम्पनियों ने भाग लिया।

नए वर्ष में शुभ संकल्प लें-कुलपति

1 जनवरी को संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संस्थान के सदस्यों को नववर्ष की शुभकामना दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के मन में शुभ संकल्प जागे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक कार्यों की सराहना करते हुए सभी के सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कुलपति कक्ष में नववर्ष के अवसर पर कुलसचिव डॉ. अनिल धर, दूरस्थ शिक्षा निदेशक डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी, विशेषाधिकारी श्री नेपालचन्द गंग, सहायक कुलसचिव श्री दीपाराम खोजा एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार उपस्थित था।

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला

संस्थान में 17 जनवरी को एक दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला सेमीनार हॉल में मुनिश्री किशनलालजी के सान्निध्य में आयोजित की गयी। संभागी विद्यार्थियों को मुनिश्री ने व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण देते हुए कहा कि प्रेक्षाध्यान से भाव परिवर्तन कर व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। समण सिद्धप्रज्ञ ने भी ध्यान एवं योग के अनेक प्रयोग करवाए। प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, डॉ. योगेश जैन ने भी अपने विचार रखे।

अवलोकन

बाल बाड़ी उच्च माध्यमिक विद्यालय बीदासर के लगभग 200 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के एक दल ने संस्थान का अवलोकन कर यहाँ चल रहे पाठ्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। 8 जनवरी को यहाँ पहुंचे इस दल में विद्यालय के अध्यक्ष मिलापचन्द बोथरा ने जैन विश्वभारती संस्थान के पाठ्यक्रमों को उत्कृष्ट बताया।

मतदाता जागरूकता अभियान

नागौर प्रशासन द्वारा संचालित मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए संस्थान के विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों सहित आम लोगों में विशेष मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। संस्थान के विद्यार्थियों ने भी संकल्प पत्र भरे। सहायक कुलसचिव दीपाराम खोजा ने नागौर जिले के विभिन्न गांवों जीली, मणू, खारी, सुखवासी आदि की यात्राएं कर ''जागो मतदाता जागो'' अभियान की जानकारी दी।

संस्थान द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप योजनान्तर्गत रेनबो सप्ताह के तहत रंगोली एवं जागरूकता संकल्प

अभियान का आयोजन 12 अप्रेल को किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सहायक निर्वाचन अधिकारी मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि वोट के प्रति सभी को जागरूकता अपनानी चाहिए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि तहसीलदार आदूराम मेघवाल ने कहा कि वोट के प्रति प्रेरक बनकर जागरूक नागरिक का कर्त्तव्य निभाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.एल. जैन ने की। संयोजन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया। इससे पूर्व 11 अप्रेल को आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने जागरूकता रैली का आयोजन किया था।

दूरस्थ शिक्षा

एम.ए./एम.एससी जीवन विज्ञान की एक मासीय सम्पर्क कक्षाएं एवं प्रशिक्षण

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में एम.ए., एम.एससी जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विषय के एक माह की सम्पर्क कक्षाएं एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण 1 मई से 30 मई तक आयोजित किया गया। प्रतिदिन विद्यार्थियों को आसन, प्राणायाम, षट् क्रियाएं, ध्यान, शरीर क्रिया विज्ञान, मनोविज्ञान, कायोत्सर्ग आदि का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। कक्षाओं में कोयम्बटूर, गोवा, भीलवाड़ा, गंगानगर, लाडनूं, सुजानगढ़, डीडवाना सहित देशभर से विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के दूरस्थ शिक्षा के निदेशक डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी के निर्देशन में संचालित इन कार्यक्रमों में डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, डॉ. विवेक माहेश्वरी, डॉ. प्रद्युम्नसिंह, आलोक पाण्डेय, निर्मला भास्कर आदि ने प्रशिक्षण दिया।

बी.ए., बी.कॉम, एम.ए. की दस दिवसीय सम्पर्क कक्षाएं

16 से 25 अप्रैल तक संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान मे बी.ए., बी.कॉम एवं एम.ए. के विद्यार्थियों के लिए दस दिवसीय सम्पर्क कक्षाएं आयोजित की गयी। कक्षाओं में दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया गया। जीवन विज्ञान के प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिए गए। इन कक्षाओं में प्रो. रेखा तिवारी, समणी शशिप्रज्ञा, समणी रोहितप्रज्ञा, डॉ. जुगलकिशोर दाधीच, डॉ. अशोक भास्कर, संजय गोयल, आलोक पाण्डेय, डॉ. प्रियंका, नरेन्द्र कुमार, निर्मला भास्कर, प्रियंका जैन आदि ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कक्षाओं का संचालन समन्वयक डॉ. अशोक भास्कर ने किया।

बी.लिब. की 15 दिवसीय सम्पर्क कक्षाएं

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में बी.लिब के दूरस्थ शिक्षा से अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन 26 अप्रैल से 10 मई तक लाडनूं में किया गया। कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकालय विज्ञान से जुड़ी प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक जानकारी दी गयी एवं उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। सम्पर्क कक्षाओं का संचालन समन्वयक जे.पी. सिंह ने किया।

कहानी प्रतियोगिता परिणाम

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए आयोजित स्वरचित कहानी प्रतियोगिता के परिणाम निम्न प्रकार हैं-

प्रथम	-	कृष्णा (बी.लिब) डेगाना
द्वितीय	-	मदनमोहन सती (एम.ए.) चमौली
तृतीय	-	सीमा शर्मा (बी.लिब) सीकर
चतुर्थ	-	मीनाक्षी सोनी (बी.लिब) सुजानगढ़
पंचम	-	शरदचन्द्र जैन (एम.ए.) कोल्हापुर

जन सम्पर्क अभियान

शिक्षक संगोष्ठि

संस्थान के जन सम्पर्क अभियान के अन्तर्गत 22 अप्रैल को ऑडिटोरियम में लाडनूं अंचल के शिक्षकों की एक संगोष्ठि आयोजित की गयी जिसमें अंचलभर के लगभग 250 शिक्षकों ने भाग लिया। संगोष्ठि के मुख्य अतिथि एस.डी.एम. मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज की अमूल्य धरोहर है।

कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि शिक्षक मूल्यों की शिक्षा के प्रति समर्पित रहकर समाज को नए अवदान दे सकता है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री सुरेन्द्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संयोजन डॉ. वीरेन्द्र भाटी एवं आभार ज्ञापन डॉ. बी.एल. जैन ने किया। संगोष्ठि के द्वितीय सत्र में प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि सामाजिक विकास में शिक्षा एवं शिक्षक दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर डॉ. अशोक भास्कर ने शिक्षकों को ध्यान योग का प्रशिक्षण दिया। संगोष्ठि में डॉ. शिल्पी जैन, राधेश्याम शर्मा, भूरामल अग्रवालआदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में दिनेश कुमार लाटा का सहयोग मिला।

अल्पसंख्यक समाज के उत्थान में शिक्षा की भूमिका विषयक संगोष्ठि

संस्थान के जनसम्पर्क अभियान के तहत सेमीनार हॉल में 15 मई को लाडनूं अंचल के अल्पसंख्यक समाज के प्रबुद्धजनों के साथ अल्पसंख्यक समाज के उत्थान में शिक्षा की भूमिका विषयक संगोष्ठि का आयोजन किया गया। संगोष्ठि में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए शहरकाजी मोहम्मद अयुब अशरफी ने कहा कि शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। शिक्षा को इंसानियत की ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति की पहचान व्यापक बनती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने कहा कि शिक्षा के प्रति समर्पित होकर इंसान अपना एवं समाज का विकास कर सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एसडीएम मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि अभिभावक विद्यार्थी को प्रेरित कर उनकी रूचि के अनुसार कॅरियर निर्माण में सहयोग करें। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नगरपालिका उपाध्यक्ष याकूब शेखा एवं पूर्व महाप्रबन्धक राजस्थान रोडवेज हाजी फुसे खां उपस्थित थे।

जनसम्पर्क अभियान के समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में केप्टेन असगल अली, इब्राहिम कायमखानी, मौलाना अब्दुल शकूर, सैयद अहमद अली, यासीन खां अखतर, वसीम टकाला, नबाब आलम आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर संस्थान पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गयी। संगोष्ठि में मुस्लिम समाज के शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं कार्यकर्ताओं सहित करीब 150 लोगों ने भाग लिया।

संस्थान में उर्दू विषय शुरू करने की मांग

कार्यक्रम के दौरान अनेक वक्ताओं ने जैन विश्वभारती संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में उर्दू विषय प्रारम्भ करने की मांग की। इस अवसर पर उर्दू पेराटीचर संघ की ओर से कुलसचिव डॉ. अनिल धर को संस्थान में उर्दू विषय प्रारम्भ करने का ज्ञापन दिया गया।

सामाजिक विकास में शिक्षा की भूमिका

संस्थान द्वारा जन सम्पर्क अभियान के अन्तर्गत द यंग्स क्लब सुजानगढ़ में 5 अप्रैल को ''सामाजिक विकास में शिक्षा की भूमिका'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन संस्थान के कुलसचिव डॉ. अनिल धर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि स्वामी कानपुरी महाराज, विशिष्ट अतिथि विकास अधिकारी सी.आर. मीणा, कन्नोई बालिका विद्यालय की प्राचार्य सरोज पूनिया, यंग्स क्लब के गिरधारी शर्मा आदि उपस्थित थे। स्वामी कानपुरी महाराज ने संस्थान द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों को मानवोपयोगी बताया। कार्यक्रम में एडवोकेट सुल्तान खां, हाजी शम्सुदीन स्नेही, राधेश्याम लाटा, बाबूलाल करोड़िया, श्रीचंद पारीक, अनिता सैनी, डॉ. वीरेन्द्र भाटी आदि ने भी अपने विचार रखें।

जनसम्पर्क अभियान

जन सम्पर्क अभियान के अन्तर्गत निम्नलिखित संस्थानों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई-

9 जनवरी - आचार्य तुलसी महिला परियोजना एवं आचार्य महाप्रज्ञ सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र।

11 फरवरी - स्थानीय सूरजमल भूतोड़िया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं।

12 फरवरी - केशर देवी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं।

13 फरवरी - सुभाष बोस उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं

17 फरवरी - लाड मनोहर बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं

18 फरवरी - केशर देवी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं

20 फरवरी - संस्कार उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुभाष बोस उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं सैनिक उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं।

22 फरवरी - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कसुम्बी

4 मार्च - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निम्बीजोधा, सरस्वती आदर्श विद्या मन्दिर, निम्बीजोधा एवं सैनिक उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं।

5 मार्च - मगरा बास, लाडनूं।

13 मार्च - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, निम्बीजोधा।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी, डॉ. मधुकर दाधीच आदि संकाय सदस्यों ने सराहनीय सहयोग किया।

जयपुर लिटरेचर फेस्टीवल में संस्थान का प्रतिनिधित्व

जयपुर के होटल डिगी पैलेस में आयोजित जयपुर लिटरेचर फेस्टीवल में 19 जनवरी को जनसम्पर्क समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए जैविभा संस्थान के प्रकाशनों एवं समस्त गतिविधियों की जानकारी दी।

शिक्षा प्रत्येक इंसान के लिए जरूरी

1 फरवरी को संस्थान के जन सम्पर्क अभियान के अन्तर्गत स्थानीय तेली रोड़ के गली नं. 34 में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहर काजी मोहम्मद अयुब अशरफी ने शिक्षा को प्रत्येक इंसान के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान से दी जाने वाली शिक्षा मानवीय मूल्यों के साथ व्यक्ति में इंसानियत का निर्माण करने में सक्षम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने की। कार्यक्रम में समाजसेवी अली अकबर रिजवी, नगरपालिका उपाध्यक्ष याकूब शेख, शेर मोहम्मद, डॉ. वीरेन्द्र भाटी, लक्ष्मण माली ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम की सफलता में शांतिलाल रैगर, इरफान, इमरान, युसुफ, छोटाराम परिहार आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

Jain Vishva Bharati Institute
(Deemed University)

Directorate of Distance Education

Organizes

Preksha Life Skill

Personality Development Training Programme

Evolve, Empower and Enlighten

Integrated Personality Development Training Programme

PLS Certified Course

What is Preksha Life Skill?

Preksha Life Skill is an intensive SOFT Skill Program :

✓ To build Character, Confidence and Courage

✓ To develop Communication Skill, Public Speaking Skill and Successful Life

✓ To empower Emotional Intelligence and Relations

PLS is designed to impart the required Life Skills to the participants in the shortest possible. PLS is a three level training program categorized as :

Right Time + Right Effort
for
Effective Communication, Public Speaking, Successful Profession, Emotional Balance and Happy Relations

1. Red Ribbon 2. Yellow Ribbon 3. White Ribbon

The participant will be recognized as certified teacher or trainee after qualifying the White Ribbon.

First Level - Red Ribbon

Duration	:	10 days, 2.5 hours/class
Evaluation	:	Through power point presentation at the end of the course
Age	:	13 & above
Fee	:	1000 Rs.

Course Content:

✓ Power Point Presentations on the following topics and more :

1. Purposeful Living
2. How to stay Enthusiastic
3. Attitude of Gratitude
4. Attitude to Contribute
5. Anger Management etc.

For more information contact - Email : prekshalskill@gmail.com

List of Donors

(01-01-2014 to 30-06-2014)

S.No.	Name of Donor	S.No.	Name of Donor
1	Ghodawat Foods International , Chipri	27	Ms. Rekha Chopada
2	Sh. Nirmal Sethia, Jaipur	28	Sh. Madna Lal Amit Kumar Mehta
3	Sh. Seth Gangajal Jaliram Chajer Charity Trust, Kolkatta	29	Madan Mohan Fashion
4	Sh. Sushil Jain, New Delhi	30	Sh. Sampat Lal Fulchand Mandot
5	Akhil Bhartiya Terapanth Mahila mandal, Ladnun	31	Sh. Sanjay Bhai Surana
6	Sh. Alok Bardiya, Jaipur	32	Sh. Babulal Ji Surana
7	Sh. Kanaya Lal Khater, Bangalore	33	Sh. Kasturchand Chunilal Doshi
8	D.P. Agarawala Charitable Trust, Kolkata	34	Sh. Ganesh Lal Hiralal Ji Solanki
9	Laurel Advisary Services Pvt. Ltd., ,Kolkata	35	Sh. Ratan Lal Bhamwarlal Ji Bhogar
10	Sh. Bachraj Nahata Memorial Trust	36	Sh. Girish Kumar Bherulal Ji Sanghive
11	SP Sipani JM	37	Sh. Mukesh Kumar Sohanlal Ji Bafna
12	Sh. Mohan Lal, Chennai	38	Sh. Parasmal Gopilal Ji Seth
13	Smt. Puspa W/o Mohan lal, Chennai	39	Sh. Naresh Kumar Shanti lal Kothari
14	Sh. Kishor Kumar, Chennai	40	Sh. Kantilal Jeetmal Chouhan
15	R.Puspa, Chennai	41	Sh. Suresh Kumar Ghasi Ram Ji Dhalawat
16	Sh. Abhay kumar , Chennai	42	Laxmilal Rumla Ji Talesara
17	Ms. Luni Devi	43	Narsh Kumar Chhogalaji Mandot
18	Sh. Ajeet Bapu Lal Kachara, New Mumbai	44	Prakash Chandra Sanghvi
19	Sh. Sampatmal Maighraj Dugar Shri Dungar Garh, Surat	45	Nathulal Laxmi lal Bhogar
20	Sh. Dilbag Ray Jain	46	Kailash Kumar Devilal Ji Mehta
21	Sarvamangalam Ashram, Sagadiya	47	Madan lal Jeetmalji Kothari
22	Sh. Shanti Lal Taij Pal Ji Kaveriya, Surat	48	Mahendra Kumar Khokhawat
23	Vishva Bharati Manav Saiva Sansthan, Surat	49	Rajendra Kumar Ranka
24	Sh. Rajesh R. Parkh	50	Rajesh Kumar Lodha
25	Sh. Jivan Mal ji Parath	51	Ashok Gudka
26	Sh. Shanti Lal Punit Kumar Lodha		

डॉ. युवराजसिंह खंगारोत को बेस्ट पेपर प्रजेन्टेशन अवार्ड (द्वितीय)

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 12 फरवरी से 18 फरवरी तक युवाओं के लिए योग विषय पर 'राष्ट्रीय योग सप्ताह' के अन्तर्गत संगोष्ठि आयोजित की गयी। 14 फरवरी को संस्थान के जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने 'युवाओं के समग्र स्वास्थ्य पर प्रेक्षाध्यान का प्रभाव' विषय पर अपना पत्र वाचन किया। डॉ. खंगारोत को पत्र वाचन हेतु बेस्ट पेपर प्रजेन्टेशन अवार्ड(द्वितीय)प्रदान किया गया।

छात्रा प्रियंका शेखावत को बेस्ट कैडेट सम्मान

संस्थान की आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में संचालित एनसीसी के 3 राजस्थान गर्ल्स बटालियन की कैडेट प्रियंका शेखावत को जोधपुर में आयोजित समारोह में बेस्ट कैडेट के रूप में सम्मानित किया गया। समारोह में ऑफिसर कमान्डर कर्नल अनूप अग्रवाल ने प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं तीन हजार रूपए नकद राशि प्रदान की।

संस्थान की छात्रा प्रथम

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के तत्वावधान में फरवरी के प्रथम सप्ताह में आयोजित बणी-ठणी राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में संस्थान की छात्राओं ने भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में शिक्षा विभाग की शिल्पी सिंह, अदिति गौड़, सोनम जैन, कोमल सैनी, चेतना चौहान के ग्रूप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य में संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की छात्रा कविता चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सहायक आचार्य अदिति गौतम के नेतृत्व में गए इस दल की प्रस्तुति की सभी ने सराहना की।

फार्म 4
(नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन स्थान	:	जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, राजस्थान
2.	प्रकाशन अवधि	:	अर्द्धवार्षिक
3.	मुद्रक का नाम	:	डॉ. अनिल धर
	क्या भारत के नागरिक है ?	:	हाँ
	पता	:	जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, राजस्थान
4.	प्रकाशक का नाम	:	डॉ. अनिल धर
	क्या भारत के नागरिक है	:	हाँ
	पता	:	(कॉलम 3 के अनुसार)
5.	सम्पादक का नाम	:	श्री नेपाल चन्द गंग
	क्या भारत के नागरिक है	:	हाँ
	पता	:	(कॉलम 3 के अनुसार)
6.	उन व्यक्तियों के नाम पते जो पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, राजस्थान

मैं डॉ. अनिल धर एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

डॉ. अनिल धर
दिनांक : 31.03.2014 (प्रकाशक के हस्ताक्षर)

संस्थान के 22 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

संस्थान के समाज कार्य विभाग के प्रभारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने बताया कि भारत सरकार के नेशनल रूरल लिवलीहुड मिशन (एनआरएलपी) राजस्थान में 22 विद्यार्थियों का प्लेसमेन्ट हुआ है। ज्ञात हो कि जैन विश्वभारती संस्थान में 1996 से समाज कार्य विभाग संचालित है। अब तक यहां समाज कार्य में मास्टर डिग्री धारक विद्यार्थियों में 75 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में कार्यरत हैं। यह एक दो वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम है। अत: जीविकोपार्जन की दृष्टि से भी यह अधिक लाभप्रद है।

सौर ऊर्जा सयंत्र स्थापित

संस्थान के आचार्य तुलसी महिला छात्रावास में सौर ऊर्जा का सयंत्र स्थापित किया गया। 5 फरवरी को कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने सयंत्र स्थापना के अवसर पर कहा कि सौर ऊर्जा से मानव स्वास्थ्य की रक्षा करने के साथ संसाधनों का उपयोग सरलता से किया जा सकता है। इस अवसर पर सहायक कुलसचिव दीपाराम खोजा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

Reaccredited Grade-A by NAAC

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत घोषित

मान्य विश्वविद्यालय

M.A. • M.S.W. • M.Phil. • Ph.D.

B.A./B.Com. • B.C.A./B.Lib. • B.Ed. • M.Ed.

Placement Assistance • Separate Hostels for Male & Female • Scholarship Facility • Internet Facility • Coaching for Competition Exams

विशेषताएँ

• राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा समाजोपयोगी कार्यक्रम • व्यक्तित्व विकास शिविर द्वारा मूल्यपरक शिक्षण एवं प्रशिक्षण • शैक्षिक भ्रमण • राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में संभागिता • महाविद्यालय परिसर में बुक बैंक व्यवस्था उपलब्ध • अंग्रेजी संभाषण एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण जैसे पाठ्यक्रमों में रियायती शुल्क पर प्रशिक्षण • योग्य अनुभवी शिक्षक एवं प्रबुद्ध समणी वर्ग द्वारा विशेष अध्यापन • आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित अंग्रेजी संभाषण एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रयोगशाला लेबोरेटरी • शान्त, सुरक्षित, अनुशासित एवं प्रदूषण मुक्त परिवेश • सभी पाठ्यक्रम यू.जी.सी. एवं भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त • संभाषण, लेखन, खेलकूद, साहसिक एवं रोमांचक खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में विशेष अवसर • समृद्ध एवं विशाल पुस्तकालय की व्यवस्था • छात्रावास एवं जिम की सुविधा • प्राच्य विद्याओं का अध्ययन करने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप देने का प्रावधान • प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रशिक्षण (NET, JRF, CA and CS) • विषयों से सम्बन्धित विशेष कोचिंग कक्षाएं।

नियमित पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए.

• जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन • दर्शन • संस्कृत • प्राकृत • हिन्दी • जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग • क्लीनिकल साइकोलॉजी • अहिंसा एवं शान्ति • राजनीति विज्ञान • समाज कार्य • अंग्रेजी • एम.एड. (उपरोक्त सभी विषयों में पी-एच.डी. सुविधा)

एम.फिल.

• जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन • अहिंसा एवं शांति • प्राकृत एवं जैन आगम

स्नातक पाठ्यक्रम

• बी.ए. • बी.कॉम. • बी.सी.ए. • बी.लिब. • बी.एड. (केवल महिलाओं के लिए)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

• स्टडीज इन जैनिज्म • नेचुरोपैथी • प्रेक्षा योगा थैरेपी • एन.जी.ओ. मैनेजमेण्ट • बैंकिंग • रूरल डेवलपमेण्ट • जेण्डर इम्पॉवरमेण्ट • कॉरपोरेट सोसियल रिस्पोन्सिबिलिटी • ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेण्ट • काउन्सलिंग एण्ड कम्युनिकेशन • राजभाषा अध्ययन

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

• प्राकृत • अहिंसा एवं शांति • जर्नलिज्म एण्ड मास मीडिया • कम्प्यूनिकेशन इन इंग्लिश • इन्स्ट्रक्शनल मैथड एण्ड मीडिया • एजुकेशनल साइकोलॉजी • योग एवं प्रेक्षाध्यान

पत्राचार पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

• जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन • शिक्षा • हिन्दी • जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग • अंग्रेजी • अहिंसा एवं शांति

स्नातक पाठ्यक्रम

• बी.ए. • बी.कॉम. • बी.लिब.

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

• अहिंसा प्रशिक्षण • अण्डरस्टेंडिंग रिलिजन • जैन धर्म एवं दर्शन • ह्यूमन राइट्स • जैन आर्ट एंड एस्थेटिक्स • ज्योतिष विज्ञान • प्राकृत • प्रेक्षा लाईफ स्कील

बी.पी.पी. पाठ्यक्रम

वे आवेदक जो 10+2 उत्तीर्ण नहीं हैं अथवा प्राथमिक औपचारिक योग्यता नहीं रखते हैं, लेकिन 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर चुके हों, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बी.पी.पी. परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

फोन : 01581-226110, 224332, 226230 फैक्स : 227472 web : www.jvbi.ac.in e-mail : jvbiladnun@gmail.com